234516

AECHN-23

Reg. No. | | | | | | | | |

II Semester B.B.A./B.H.M./M.T.A./B.B.A.(Aviation) Degree

Examination, May/June - 2026

LANGUAGE HINDI

"Kavya Kusum" Patra Lekhan Aur Sankshepan

(SEP Scheme Freshers and Repeaters 2024-25 onwards)

Paper - II

SRN ADARSH COLLEGE LIBRARY CHAMARAJPET

Time : 3 Hours **Maximum Marks : 80**

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द या एक वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1) कबीरदास के अनुसार किसका जन्म दुर्लभ है?
2) कौन लोकलाज को छोड़कर नाच रही थी?
3) कवि के अनुसार इस देश में किसकी सर्वत्र धूम मची है?
4) 'हरिऔध जी' किसे गगन और भूतल से कार्य–सिद्धि की राह को ढूँढ़ने के लिए कहते हैं?
5) 'गुरू–दक्षिणा' कविता में पार्थ किसे कहा गया है?
6) एकलव्य ने अपने अथक प्रयास से कौनसी शिक्षा प्राप्त की थी?
7) कवि के अनुसार अगर कृष्ण,अर्जुन को नहीं छोडता है, तो कर्ण किसे नहीं छोड़ता है?
8) कवि किसे मानसरोवर के स्वर्णिम–कमलों पर घिरते देखा है?
9) कवि के अनुसार कैदी किससे बात कर रहा है?
10) हल्दी घाटी के शिला–खंड किसकी प्रचंड कहानी का वर्णन करता है?

II. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×7=14)**

1) जिहि घटि प्रीति न प्रेम रस फुनि रसना नहीं राम।
   ते नर इस संसार में,उपजि भये बेकाम।।
2) जिनका पिया परदेश बसत है, लिख–लिख भेजे पाती।
   मेरा पिया मेरे हीय बसत है, ना कहुँ आती जाती।।
3) 'है परोक्ष भक्ति तुम्हारी,प्रत्यक्ष भक्ति से,
   कितनी महान। यह युग बतलायेगा।
   ऐसा शिष्य पाके गुरू कितना कृतार्थ है।
   उसकी कृतार्थता ही होगी 'गुरू दक्षिणा....'

[P.T.O.

III. निम्नलिखित में से किन्हीं दो कविताओं का सार लिखकर उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। (2×15=30)

1) व्यापार।
2) कुंती–कर्ण संवाद।
3) वीरों का कैसा हो वसंत।

SRN ADARSH COLLEGE LIBRARY CHAMARAJPET B

IV. निम्नलिखित में से किसी एक पर टिप्पणी लिखिए। (1×6=6)

1) द्रोणाचार्य।
2) कैदी और कोकिला।

V. श्री शारदा पुस्तक भण्डार नई दिल्ली से भेजी गई पुस्तकें रास्ते में बहुत–कुछ नष्ट हो गई हैं। इस की क्षतिपूर्ति के लिए शिकायती–पत्र लिखिए। (1×10=10)

(अथवा)

श्री श्री राम अण्ड राम टैक्सटाइल,बैंगलूरू में अचानक आग लगने के कारण लाखों रूपयों के माल नष्ट हुआ है। इसका पूरा विवरण देते हुए टाटा बीमा अधिकारी से क्षतिपूर्ति कराने का अनुरोध करते हुए एक पत्र लिखिए।

VI. निम्न लिखित गद्यांश का उचित शीर्षक देते हुए एक तिहाई शब्दों में संक्षेपण कीजिए। (1×10=10)

किसी भी विकासशील देश की आर्थिक प्रगति में उद्योगों का महत्वपूर्ण स्थान होता है। भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में, जहाँ पूँजी की कमी और श्रम की अधिकता है, वहाँ लघु–उद्योग एक वरदान है। लघु–उद्योग वे औद्योगिक इकाइयाँ हैं जिनमें निवेश की सीमा कम होता है और जो कम–से–कम मशीनीकरण के साथ अधिक मानवीय श्रम का उपयोग करती है।

साधारण शब्दों में जिन उद्योगों में कम पूँजी लगाकर, छोटी–छोटी मशीनों की सहायता से वस्तुओं का उत्पादन किया जात है, उन्हें लघु–उद्योग कहते हैं। इनमें श्रमिकों की संख्या बड़े–बड़े उद्योगों की तुलना में कम होती है। उदाहरण के तौर पर हथकरघा,अगरबत्ती बनाना,चमडे का काम, खाद्य प्रसंस्करण खिलोने बनाना और छोटे–छोटे इलेक्ट्रॉनिक्स पुर्जे तैयार करना आदि। यदि लघु–उद्योगों को सही दिशा और प्रोत्साहन मिले तो, ये भारतीय अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों पर ले जाते हैं।